TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

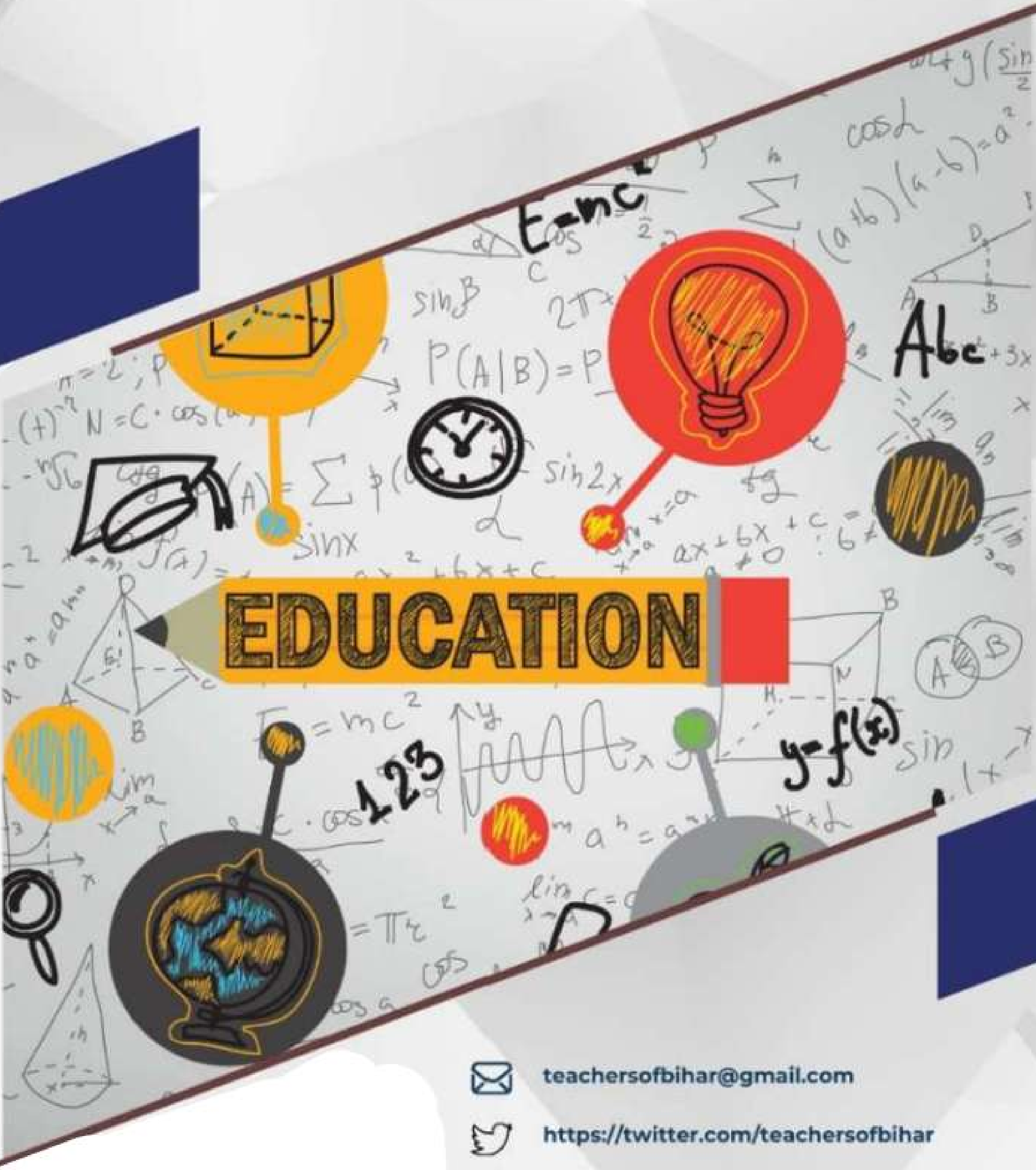

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

जयंती विशेष

12 फरवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और आत्मज्ञान प्राप्त करना होना चाहिए।

दयानंद सरस्वती

(आर्य समाज के संस्थापक)

जन्म : 12 फरवरी 1824 मृत्यु : 30 अक्टूबर 1883

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

12 फरवरी

मधु प्रिया

स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म 12 फरवरी

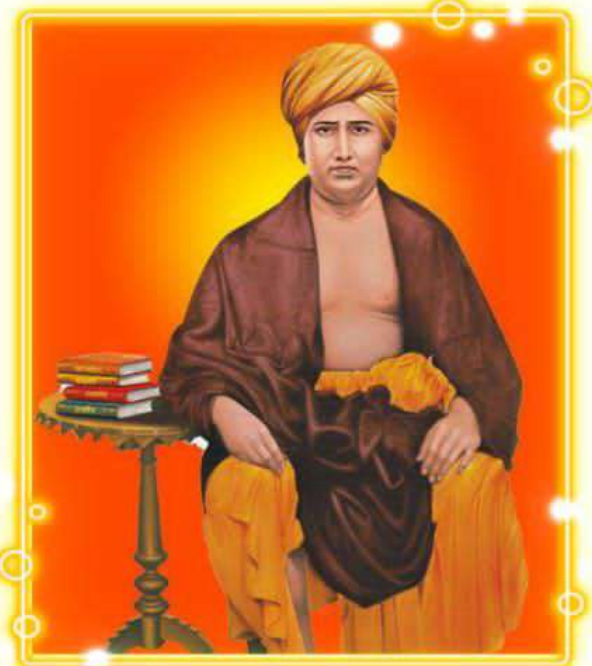

स्वामी दयानन्द सरस्वती जो कि आर्य समाज के संस्थापक के रूप में पूज्यनीय हैं। यह एक महान देशभक्त एवम मार्गदर्शक थे, जिन्होंने अपने कार्यो से समाज को नयी दिशा एवं उर्जा दी। महात्मा गाँधी जैसे कई वीर पुरुष स्वामी दयानन्द सरस्वती के विचारों से प्रभावित थे। स्वामी जी का जन्म 12 फरवरी 1824 को हुआ। वे जाति से एक ब्राह्मण थे और इन्होने शब्द ब्राह्मण को अपने कर्मो से परिभाषित किया।ब्राह्मण वही होता हैं जो ज्ञान का उपासक हो और अज्ञानी को ज्ञान देने वाला दानी।स्वामी जी ने जीवन भर वेदों और उपनिषदों का पाठ किया और संसार के लोगो को उस ज्ञान से लाभान्वित किया।इन्होने मूर्ति पूजा को व्यर्थ बताया. निराकार ओमकार में भगवान का अस्तित्व है, यह कहकर इन्होने वैदिक धर्म को सर्वश्रेष्ठ बताया।वर्ष 1875 में स्वामी दयानन्द सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की।1857 की क्रांति में भी स्वामी जी ने अपना अमूल्य योगदान दिया।अंग्रेजी हुकूमत से जमकर लौहा लिया और उनके खिलाफ एक षड्यंत्र के चलते 30 अक्टूबर 1883 को उनकी मृत्यु हो गई।

जयंती विशेष 12 फरवरी

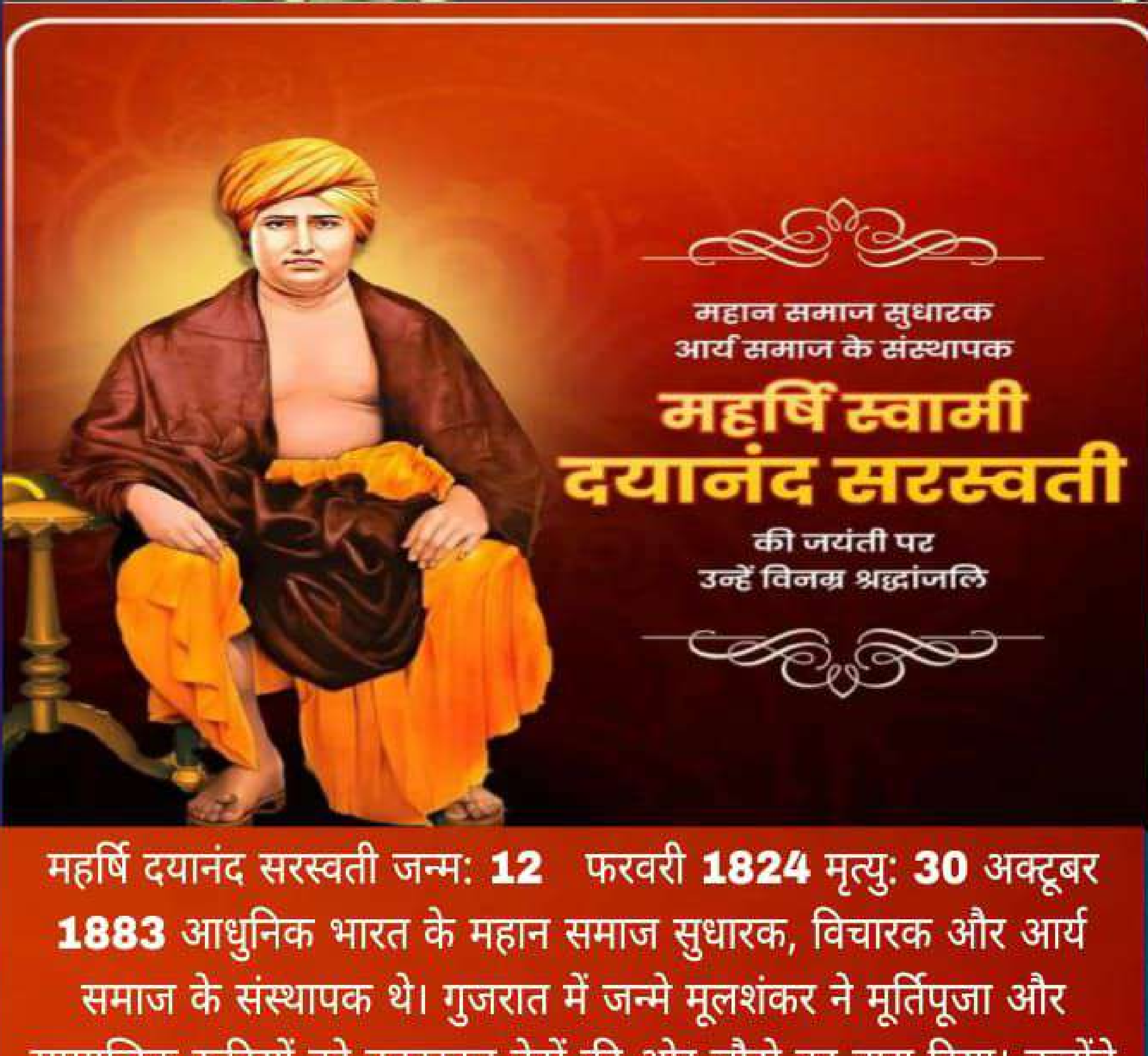

महर्षि दयानंद सरस्वती जन्म: **12** फरवरी **1824** मृत्यु: **30** अक्टूबर **1883** आधुनिक भारत के महान समाज सुधारक, विचारक और आर्य समाज के संस्थापक थे। गुजरात में जन्मे मूलशंकर ने मूर्तिपूजा और सामाजिक रूढ़ियों को नकारकर वेदों की ओर लौटो का नारा दिया। उन्होंने 'सत्यार्थ प्रकाश' नामक ग्रंथ के माध्यम से वैदिक ज्ञान का प्रचार किया, स्वराज्य की अवधारणा दी और शिक्षा व नारी उत्थान के लिए कार्य किया।

T-20 वर्ल्ड कप का इतिहास

- पहला टी-20 वर्ल्ड कप 2007 में साउथ अफ्रीका में आयोजित किया गया था, जिसे भारत ने जीता था। एमएस धोनी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को 5 रनों से हराया था।

- यह टूर्नामेंट आमतौर पर हर दो साल में आयोजित किया जाता है। अब तक यह टूर्नामेंट 9 बार आयोजित किया जा चुका है। पिछली बार वेस्टइंडीज और USA ने इसे होस्ट किया था।

- 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण इस टूर्नामेंट का आयोजन नहीं हुआ था। इसे आगे बढ़ाया गया था, जोकि बाद में आयोजित किया गया था।

- अब तक 6 देश टी-20 वर्ल्ड कप जीत चुके हैं। भारत, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 2 बार खिताब जीते हैं। जबकि ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और श्रीलंका एक-एक बार चैंपियन बने हैं।

- शुरुआत में टी-20 वर्ल्ड कप में 12 टीमें खेलती थीं। 2016 में टीम की संख्या 16 कर दी गई, जिसे 2024 में बढ़कर 20 कर दिया गया।

- टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन विराट कोहली (1292 रन) ने बनाए हैं। जबकि सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बांग्लादेश के शाकिब अल हसन (50 विकेट) के नाम है।

- टी-20 वर्ल्ड कप का पिछला खिताब भारत ने जीता है। टीम ने साउथ अफ्रीका को हराया। फाइनल में विराट कोहली को मैन ऑफ द मैच, जसप्रीत बुमराह को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था।

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 12.02.2026

अल्पकालिक स्मृति

अल्पकालिक स्मृति **(Short-Term Memory - STM)** मस्तिष्क की वह सक्रिय प्रणाली है जो सीमित जानकारी (लगभग **3-5** आइटम) को बहुत कम समय **(15-30** सेकंड) के लिए धारण करती है। इसे प्राथमिक या सक्रिय स्मृति भी कहा जाता है, जो तत्काल उपयोग के लिए जानकारी को याद रखती है, जैसे फोन नंबर या नाम। यदि इस जानकारी का अभ्यास **(Rehearsal)** नहीं किया जाता, तो यह जल्द ही लुप्त हो जाती है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

मध्य प्रदेश के अमरकंटक में स्थित श्री यंत्र मंदिर बेहद अनोखा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मंदिर **3D श्री यंत्र** के आकार में बनाया गया है। इसका डिज़ाइन इतना **जटिल** है कि आज के **आर्किटेक्ट्स** भी हैरान रह जाते हैं। कहा जाता है कि इसका निर्माण शुरू तो हुआ, लेकिन **आज** तक पूरा नहीं हो पाया। मान्यता है कि इसे **तांत्रिक ऊर्जा संतुलन** के लिए बनाया गया था।

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद
शिक्षा विभाग

बिहार सरकार

बिहार दिवस–2026 स्मारिका हेतु रचनाएँ आमंत्रित

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा बिहार दिवस–2026 के अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है। उक्त स्मारिका में प्रकाशन हेतु प्रतिष्ठित लेखकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों, साहित्यकारों, पत्रकारों, छात्र–छात्राओं एवं रचनात्मक प्रतिभाओं से निम्नलिखित विषयों पर मौलिक एवं अप्रकाशित रचनाएँ आमंत्रित की जाती हैं:–

विषय

- बिहार का गौरवशाली इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत
- आधुनिक बिहार : विकास, नवाचार एवं संभावनाएँ
- शिक्षा, साहित्य, कला एवं संस्कृति में बिहार का योगदान
- युवा, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक परिवर्तन
- "उन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहार" की परिकल्पना
- बिहार : अतीत, वर्तमान और भविष्य

रचना का स्वरूप

- **विधाएँ** : लेख / निबंध / संस्मरण / कविता / लघु आलेख
- **भाषा** : हिंदी (सरल एवं शुद्ध)
- **शब्द सीमा** : लेख / निबंधः अधिकतम 1200 शब्द, कविताः अधिकतम 30 पंक्तियाँ
- रचना Unicode फॉन्ट में टाइप की हुई हो।
- रचना के साथ लेखक का नाम, संक्षिप्त परिचय, फोटो, मोबाइल नंबर एवं ई–मेल अनिवार्य है।

महत्वपूर्ण शर्तें

- रचना पूर्णतः मौलिक एवं अप्रकाशित होनी चाहिए।
- चयन / अस्वीकृति का अधिकार प्रकाशक के पास सुरक्षित रहेगा।
- चयनित रचनाओं पर बिहार शिक्षा परियोजना परिषद की कमिटी द्वारा तय मानदेय देय होगा।
- प्रकाशित रचनाओं पर सर्वाधिकार प्रकाशक का होगा।

रचना भेजने की अंतिम तिथि

21.02.2026 (शनिवार) समयः अपराह्न 05:00 बजे तक।

रचना भेजने का माध्यम

ई–मेल द्वारा: **bihardiwas2026@gmail.com**
(किसी भी अन्य माध्यम से रचनाएँ स्वीकार नहीं की जायेगी)

(नवीन कुमार)
राज्य परियोजना निदेशक

PR- 023747 (Education) 2025-26

विस्तृत जानकारी वेबसाइट state.bihar.gov.in/prdbihar पर देखा जा सकता है।

Pooja Ccr. 249202

वैज्ञानिक कारण

SCIENCE

घिरनी को मशीन क्यों कहते हैं?

घिरनी बल की
दिशा बदल देती है,
जिससे बोझ खींचने
में आसानी होती है,
अतः घिरनी एक
मशीन है।

Madhu priya

पद्य पंकज

"

दु:ख,शोक, जब जो आ पड़े
सो धैर्य पूर्वक सब सहो।
होगी सफलता क्यों नहीं
कर्तव्य पथ पर दृढ़ रहो
अधिकार खो कर बैठे रहना
यह महा दुष्कर्म है
न्यायार्थ अपने बंधु को भी
दण्ड देना धर्म है।

मैथिली शरण गुप्त

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

महर्षि दयानंद सरस्वती

जन्म- *12 फरवरी 1824*

मृत्यु- *30 अक्टूबर 1883*

Madhu priya

www.teachersofbihar.org